राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ 3 : राष्ट्र-राज्य तथा राजनीति का भूमंडलीकरण
कार्यपत्रक - 3

1. चुनाव के दौरान राजनीतिक दल राजनीतिक शक्ति प्राप्त करने के लिए ताकत और पैसा का प्रयोग करते हैं। कई बार तो मतदताओं को धमकाने, शराब व उपहारों से उन्हें प्रभावित करने जैसे अनैतिक रास्ते भी अपनाते हैं। ऐसे राजनीतिक दलों के लिए आपके अनुसार राजनीति का क्या अर्थ है? अपने मत के पक्ष में कुछ उदाहरण दीजिए।
   क. राज्य एवं शासन के अध्ययन के रूप में राजनीति
   ख. शक्ति के लिए संघर्ष के रूप में राजनीति
   ग. विशिष्ट परंतु विभेदकारी उद्देश्यों की प्राप्ति की प्रक्रिया के रूप में राजनीति
   घ. संसाधनों के आधिकारिक आबंटन की प्रक्रिया के रूप में राजनीति
2. राज्य अपने नागरिकों की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति, जैसे -शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार निर्माण, मनोरंजन, विकास के समान अवसर, पिछड़े वर्गों के सशक्तीकरण आदि का कार्य करता है। आपके विचार में ऐसे राज्य की क्या प्रकृति है और यह 'पोलिस राज्य' से किस रूप में भिन्न है।
3. कार्ल मार्क्स ने राज्य को 'उत्पीड़न का उपकरण' माना वहीं गांधी जी ने 'राज्य को एक आवश्यक बुराई' माना जो अपने अस्तित्व को 'जनता के ट्रस्टी' के रूप में सिद्ध करता है। इस संदर्भ में भारतीय राज्य की प्रकृति एवं भूमिका के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।
4. अधिकार एवं कर्तव्य एक सिक्के के दो पहलू हैं। अगर आप कानून को मानने वाले एक नागरिक हैं जो अपना कर समय पर जमा करते हैं और अपनी सारी जिम्मेदारी निभाते हैं तब आपको अपने सर्वांगीण विकास के लिएराज्य से क्या अपेक्षाएं होंगी?
5. एक अधिनायकवादी राज्य से भिन्न एक लोकतांत्रिक राज्य अपने नागरिकों के अधिकार एवं स्वतंत्रता की रक्षा करता है। एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के नागरिक के रूप में, आपके राज्य द्वारा आपके अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रदत्त सुरक्षा उपायों को लिखिए।
6. 'न्याय सभी को उनका देय प्रदान करता है।' आपके विचार में किसी की देयता के विभाजन का ज्यादा उचित तरीका क्या है (आय या सामाजिक स्थिति) और क्यों?
   क. योग्यता के आधार पर
   ख. आवश्यकता एवं समानता के आधार पर

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ 3 : राष्ट्र-राज्य तथा राजनीति का भूमंडलीकरण
कार्यपत्रक - 3

7. क्या आप सोचते हैं कि भारतीय संविधान के भाग-III में दिया गया सकारात्मक भेदभाव, समानता की भावना के विरुद्ध है? अपने विचार को उपयुक्त उदाहरणों से सिद्ध कीजिए।
8. धनी वर्ग से प्राप्त कर का प्रयोग गरीबों, बेरोजगारों, जरूरतमंदों, अशक्त जनों तथा वृद्धजनों की उन्नति के लिए किया जाता है। उक्त प्रावधानों में समानता पर बहुत ज्यादा जोर क्या स्वतंत्रता को कमजोर करेगा? अपने विचार दीजिए।
9. 'उदारतावाद क्या व्यक्तिवाद के समान हो सकता है'? उपयुक्त कारणों के साथ व्याख्या कीजिए।
10. राजनीति विज्ञान का विषय क्षेत्र राज्य, व्यक्ति और उनके बीच का संबंध है। क्या आप सोचते हैं कि व्यवहारवादी क्रांति के दौरान राजनीति और राजनीतिक प्रक्रियाओं के अध्ययन पर जरूरत से ज्यादा जोर ने राजनीतिक वास्तविकताओं के अध्ययन को सीमित कर दिया है?